छत्तीसगढ़ विधान सभा

पत्रक भाग - एक

संक्षिप्त कार्य विवरण

षष्ठम् विधान सभा सप्तम् सत्र अंक-2

रायपुर, रविवार, दिनांक 14 दिसम्बर, 2025

(अग्रहायण 23, शक संवत् 1947)

विधान सभा पूर्वाह्न 11.00 बजे समवेत हुई।

(अध्यक्ष महोदय (डॉ.रमन सिंह) पीठासीन हुए।)

1. जन्म दिवस की बधाई

माननीय अध्यक्ष ने माननीय सदस्य श्री नीलकंठ टेकाम को जन्मदिन पर अपनी एवं सदन की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

माननीय सदस्य ने भी माननीय अध्यक्ष व सभा के प्रति आभार व्यक्त किया।

2. माननीय अध्यक्ष महोदय का संबोधन

नवीन विधानसभा भवन में सत्र के प्रथम दिवस पर सदन को माननीय विधान सभा अध्यक्ष महोदय का संबोधन

आज 14 दिसम्बर है। छत्तीसगढ़ विधान सभा की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। यह रजत जयंती वर्ष हमारे लिए उपलब्धि पूर्ण रहा है। बीते 25 वर्षों में हमारी छत्तीसगढ़ विधानसभा ने संसदीय क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनाते हुए सम्मानजनक मुकाम हासिल किया है। इसके लिए प्रथम विधानसभा से लेकर षष्ठम् विधानसभा के कार्यकाल तक सभा के सदस्य रहे सभी सदस्यगणों को स्मरण करते हुए आज मैं उन्हें याद करता हूं, मैं उन सबको नमन करता हूं।

छत्तीसगढ़ विधान सभा के नवीन भवन में आयोजित यह प्रथम कार्य दिवस है। छत्तीसगढ़ विधान सभा सदन के इतिहास में आज का दिन एक ऐतिहासिक दिन है और हम सब सौभाग्यशाली हैं कि परमात्मा ने इस अवसर का हमें साक्षी होने का सौभाग्य प्रदान किया।

हमारे नवीन छत्तीसगढ़ विधान सभा भवन में सचिवालय द्वारा यह पूरी कोशिश की गयी है कि आपको किसी भी प्रकार की कोई असुविधा न हो, उसके बावजूद मैं जानता हूं कि इतनी बड़ी व्यवस्था में और व्यवस्था के परिर्वतन में कहीं न कहीं असुविधा हो जाती है, मैं अपेक्षा करता हूं कि जो भी आपको इस विधान सभा परिसर में प्रवेश से लेकर अपने सीट में बैठने तक यदि आपको लगता है कि आपकी व्यवस्था में कुछ छोटी-मोटी परिवर्तन की जरूरत है तो उस परिर्वतन के लिए आने वाले विधान सभा सत्र के पहले हमारी तैयारी हो जाएगी, कृपया आप लिखित में सूचना करेंगे तो अच्छा रहेगा।

नवीन विधान सभा के लोकार्पण अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री जी ने यह अपेक्षा की थी कि यह केवल एक नई ईमारत का उद्घाटन का समारोह नहीं है, बल्कि छत्तीसगढ़ विधान सभा के 25 वर्षों की जन आकांक्षा, जन संघर्ष और जन गौरव का उत्सव है। उन्होंने यह भी कहा था कि ये भवन लोकतंत्र का तीर्थस्थल है, इसका हर स्तम्भ पारदर्शिता का प्रतीक है, इसका हर गलियारा जवाबदेही की याद दिलाता है और इस भवन का हर कक्ष जनता की आवाज का प्रतिबिम्ब है, यहां लिए गए निर्णय दशकों तक छत्तीसगढ़ के भाग्य को दिशा देंगे। माननीय प्रधानमंत्री जी की इसी भावना को सम्मान देते हुए छत्तीसगढ़ विधान सभा ने अपने स्थापना दिवस के अवसर पर आहूत शीत कालीन सत्र 14 दिसम्बर, 2025 को इस भवन की प्रथम बैठक में विज़न 2047 पर चर्चा निर्धारित की है। यह महत्वपूर्ण चर्चा राष्ट्र और राज्य के हित, सर्वांगीण विकास पर केन्द्रित होगी। मैं यह भी स्पष्ट करना चाहता हूं कि अंजोर छत्तीसगढ़ विजन 2047 प्रदेश के समग्र कल्याण को प्रतिबिम्बित करता है, इसलिए इस विषय में सर्वसहभागिता और सर्वसहमति का पवित्र भाव समाहित है। इस विषय को लेकर होने वाली चर्चा में से प्राप्त निष्कर्ष छत्तीसगढ़ राज्य के समृद्ध, सुखद व सफल भविष्य का निर्धारण करेगा। साथ ही राष्ट्रीय परिदृश्य में छत्तीसगढ़ की प्रभावी भूमिका का निर्धारण भी करेगा। अंजोर छत्तीसगढ़ विजन 2047 जैसे महत्वपूर्ण विषय पर छत्तीसगढ़ विधान सभा में पक्ष-प्रतिपक्ष के मध्य एक गम्भीर, सार्थक, परिणाममूलक चर्चा की अपेक्षा थी, परंतु प्रतिपक्ष द्वारा इस चर्चा में उपस्थित नहीं होने का निर्णय प्रदेश के विकास के प्रति उनके किस दृष्टिकोण को इंगित करता है और कहां तक संसदीय व्यवस्था के लिए उचित है, यह मैं उनके विवेक पर ही छोड़ता हूं। साथ ही मेरा विश्वास है कि सरकार द्वारा जो "छत्तीसगढ़ अंजोर विजन 2047" पर अपना पक्ष रखा जाएगा, उनके यह विचार भविष्य में छत्तीसगढ़ राज्य की दशा और दिशा को निर्धारित करने में सहायक सिद्ध होंगे।

माननीय प्रधानमंत्री जी ने जो हमें मंत्र दिया है-"नागरिक देवो भव:", आज हम उस मंत्र को आत्मसात कर अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। माननीय प्रधानमंत्री जी ने यह भी अपेक्षा की है कि लोकतंत्र में कर्तव्य को सर्वोपरि रखते हुए हम सब सार्वजनिक जीवन में अपनी भूमिका निभाएंगे। माननीय प्रधानमंत्री जी की इस भावाना को आत्मसात करते हुए हमने यह निर्णय लिया है कि वर्तमान सत्र जो 14 से 19 दिसम्बर, 2025 के मध्य इस नवीन विधान सभा भवन में आहूत है, इसमें इस सभा की प्रतिबद्धता दिखती है कि यह सभा शनिवार और रविवार को सामान्य तौर पर जब सदन का अवकाश होता है, तब भी हम कार्य कर रहे हैं। आपकी यह सहभागिता संसदीय मूल्यों के प्रति आपकी निष्ठा को परिभाषित करती है।

मैं आपके माध्यम से छत्तीसगढ़ राज्य की जनता-जनार्दन को यह आश्वस्त करता हूं कि छत्तीसगढ़ विधान सभा का यह नवीन भवन माननीय प्रधानमंत्री जी की भावनाओं के अनुरूप पूर्ण निष्ठा और मनोयोग से कार्य करने को संकल्पित है।

मैंने आरंभ में ही आपसे अनुरोध किया और अंत में भी आप सभी माननीय सदस्यगणों से मेरा यह सादर अनुरोध है कि यह नवीन भवन है, जिसमें हमको, आपको सभी को मिलकर छत्तीसगढ़ के विकास के लिए कार्य करना है। प्रारंभिक तौर पर नवीन भवन की व्यवस्थाओं में हमारे अधिकतम समन्वय के बावजूद भी व्यावहारिक ढंग से कुछ असुविधाएं हमारे समक्ष आएंगी, इसमें आपका सादर सहयोग विधान सभा को अपेक्षित रहेगा।

जय हिन्द, जय छत्तीसगढ़।

3. छत्तीसगढ़ विज़न 2047 पर चर्चा

श्री ओ.पी. चौधरी, वित्त मंत्री ने चर्चा प्रारंभ की ।

निम्नलिखित सदस्यों ने चर्चा में भाग लिया :-

श्री अजय चन्द्राकर,

4. अध्यक्षीय दीर्घा में अतिथि

माननीय अध्यक्ष ने सदन को सूचित किया कि अध्यक्षीय दीर्घा में श्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय, छत्तीसगढ़ विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष, उपस्थित हैं, सदन उनका स्वागत् करता है ।

5 छत्तीसगढ़ विज़न 2047 पर चर्चा (क्रमश:)

(सभापति महोदया (सुश्री लता उसेण्डी) पीठासीन हुईं।)

श्री धरमलाल कौशिक

6. सदन को सूचना

माननीय सभापति ने सदन को सूचित किया कि- आज भोजन अवकाश नहीं होगा। भोजन की व्यवस्था माननीय सदस्यों के लिये लॉबी स्थित कक्ष में एवं पत्रकारों के लिए प्रथम तल पर पत्रकार कक्ष के समीप भोजन कक्ष में की गयी है । कृपया सुविधानुसार भोजन ग्रहण करें।

7. छत्तीसगढ़ विज़न 2047 पर चर्चा (क्रमश:)

श्री राजेश मूणत,

(सभापति महोदय (श्री विक्रम उसेण्डी) पीठासीन हुए।)

8. कार्यमंत्रणा समिति का प्रतिवेदन

माननीय सभापति ने सदन को सूचित किया कि कार्यमंत्रणा समिति की बैठक रविवार, दिनांक 14 दिसम्बर, 2025 में लिए गए निर्णय अनुसार वित्तीय एवं विधायी कार्यों पर चर्चा के लिए सम्मुख अंकित समय का निर्धारण करने की सिफारिश की गई है, जो इस प्रकार है :-

वित्तीय कार्य	**निर्धारित समय**
वित्तीय वर्ष 2025-2026 के प्रथम अनुपूरक अनुमान की मांगों पर चर्चा मतदान एवं तत्संबंधी विनियोग विधेयक का पुर:स्थापन, विचार एवं पारण.	**3 घंटे**
शासकीय विधि विषयक कार्य	
(1) छत्तीसगढ़ दुकान एवं स्थापना (नियोजन एवं सेवा की शर्तों का विनियमन) (संशोधन) विधेयक, 2025	**30 मिनट**
(2) छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) (संशोधन) विधेयक, 2025.	**30 मिनट**

(3) छत्तीसगढ़ जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन) (द्वितीय) अधिनियम, 2025. **1 घंटा**

समिति द्वारा यह भी निर्णय लिया गया कि विधान सभा की बैठक शुक्रवार दिनांक 19 दिसम्बर, 2025 को भी होगी. इस दिन "वंदे मातरम्" के 150 वर्ष पूर्ण होने पर केंद्रित विषय पर चर्चा होगी.

श्री केदार कश्यप, संसदीय कार्य मंत्री ने प्रस्ताव किया कि सदन कार्य मंत्रणा समिति के प्रतिवेदन में की गई सिफारिशों को स्वीकृति देता है ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

9. छत्तीसगढ़ विज़न 2047 पर चर्चा (क्रमशः)

श्री धर्मजीत सिंह, सुश्री लता उसेंडी, श्री सुनील सोनी, श्रीमती भावना बोहरा, सर्वश्री अनुज शर्मा, सुशांत शुक्ला, श्री अरूण साव, उप मुख्यमंत्री (लोक निर्माण),

(अध्यक्ष महोदय (डॉ.रमन सिंह) पीठासीन हुए।)

श्री राम विचार नेताम आदिम जाति विकास मंत्री. श्री विजय शर्मा, उप मुख्यमंत्री (गृह),

(माननीय अध्यक्ष ने सदन की सहमति से आज की कार्यसूची में सम्मिलित छत्तीसगढ़ विज़न 2047 विषय पर चर्चा पूर्ण होने तक सभा के समय में वृद्धि की घोषणा की ।)

श्री किरण देव,

श्री विष्णुदेव साय, मुख्यमंत्री ने विचार व्यक्त किये।

पश्चात् माननीय अध्यक्ष ने छत्तीसगढ़ विजन 2047 विषय पर चर्चा में भाग लेने वाले सभी माननीय सदस्यों एवं मंत्रीगण को बधाई एवं धन्यवाद ज्ञापित करते हुये विकसित छत्तीसगढ़ राज्य के लिये अपनी ओर से शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

सायं 6.25 बजे विधान सभा की कार्यवाही सोमवार, दिनांक 15 दिसम्बर, 2025 (अग्रहायण -24, शक संवत् 1947) के पूर्वाह्न 11.00 बजे तक के लिए स्थगित की गई ।

दिनेश शर्मा
सचिव
छत्तीसगढ़ विधान सभा